

श्रीश्रीगौरगदाधरौ विजयेताम्

# श्रीहरेकृष्णसहस्रनामः

श्रीहरिदास शास्त्री

श्रीवृन्दाबनधामवास्तव्येन

न्याय-वैशेषिकशास्त्रि, नव्यन्यायाचार्य, काव्य, व्याकरण,  
सांख्य, मीमांसावेदान्ततर्कतर्कतर्क, वैष्णवदर्शनतीर्थ,  
विद्यारत्नाद्युपाध्यलङ्कृतेन  
श्रीहरिदासशास्त्रिणा सम्पादितः ।



श्रीश्रीगदाधरगोराङ्गौ विजयेताम्

हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥

श्रीश्रीगदाधरगौराङ्गौ विजयेताम्

हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥

श्रीश्रीगदाधरगौराङ्गी विजयेताम्

हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥

श्रीश्रीगदाधरगौराङ्गौ विजयेताम्

हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥



श्रीश्रीगदाधरगौराङ्गी विजयेताम्

हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥

श्रीश्रीगदाधरगौराङ्गौ विजयेताम्

हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥



श्रीश्रीगदाधरगौराङ्गौ विजयेताम्

हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥

श्रीश्रीगदाधरगौराङ्गौ विजयेताम्

हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥

श्रीश्रीगदाधरगौराङ्गी विजयेताम्

हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥

श्रीश्रीगदाधरगौराङ्गी विजयेताम्

हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥

श्रीश्रीगदाधरगौराङ्गौ विजयेताम्

हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥

श्रीश्रीगदाधरगौराङ्गी विजयेताम्

हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥



श्रीश्रीगदाधरगौराङ्गी विजयेताम्

हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥

श्रीश्रीगदाधरगौराङ्गी विजयेताम्

हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥

श्रीश्रीगदाधरगौराङ्गी विजयेताम्

हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥

श्रीश्रीगदाधरगौराङ्गी विजयेताम्

हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥

श्रीश्रीगदाधरगौराङ्गौ विजयेताम्

हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥

श्रीश्रीगदाधरगौराङ्गौ विजयेताम्

हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥



श्रीश्रीगदाधरगौराङ्गी विजयेताम्

हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।

हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥

हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।

हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥

हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।

हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥

श्रीश्रीगदाधरगौराङ्गौ विजयेताम्

हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥

श्रीश्रीगदाधरगौराङ्गौ विजयेताम्

हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥

श्रीश्रीगदाधरगौराङ्गी विजयेताम्

हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥

श्रीश्रीगदाधरगौराङ्गौ विजयेताम्

हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥

श्रीश्रीगदाधरगौराङ्गौ विजयेताम्

हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥



श्रीश्रीगदाधरगौराङ्गौ विजयेताम्

हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥

श्रीश्रीगदाधरगौराङ्गौ विजयेताम्

हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥

श्रीश्रीगदाधरगौराङ्गौ विजयेताम्

हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।

हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥

हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।

हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥

हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।

हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥

श्रीश्रीगदाधरगौराङ्गी विजयेताम्

हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥

श्रीश्रीगदाधरगौराङ्गौ विजयेताम्

हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।

हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥

हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।

हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥

हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।

हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥

श्रीश्रीगदाधरगौराङ्गौ विजयेताम्

हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥



## श्रीश्रीगदाधरगौराङ्गी विजयेताम्

हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।

हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥

हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।

हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥

हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।

हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥

श्रीश्रीगदाधरगौराङ्गौ विजयेताम्

हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥

श्री श्री गदाधर गौराङ्गी विजयेताम्

ॐ हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥

श्रीश्रीगदाधरगीराङ्गी विजयेताम्

हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥

श्रीश्रीगदाधरगौराङ्गी विजयेताम्

हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥

श्रीश्रीगदाधरगौराङ्गी विजयेताम्

हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥  
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।  
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥



सद्ग्रन्थ प्रकाशन श्रीहरिदास शास्त्री  
श्रीगदाधरगौरहरि प्रेस, श्रीहरिदास निवास  
वृन्दावन, जि—मथुरा (उ०,प्र०)  
पिन—२८११२१

प्रकाशक \* मुद्रक :—

श्रीहरिदासशास्त्री

श्रीगदाधरगौरहरि प्रेस,

श्रीहरिदास निवास, कालीदह, पो० वृन्दावन ।

जिला-मथुरा (उत्तर प्रदेश )

प्रकाशनतिथि—१५।१०।८४

द्वितीय-संस्करण—१०००

प्रकाशन सहायता—Rs. ३

सर्वस्वत्वं सुरक्षितम् ।

श्रीहरिदास शास्त्री